Need to check smuggling of chinese garlic-Laid

श्री सुरेश कुमार कश्यप (शिमला) : हिमाचल प्रदेश विशेष रूप से मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला सोलन, सिरमौर, और शिमला में अपनी जीविका हेतु किसानों द्वारा लहसुन की खेती बड़ी मात्रा में की जाती है । आज चीन में उत्पाद किया गया लहसुन भारी मात्रा में तस्करी होकर भारत लाया जा रहा है । भारत मे नेपाल के रास्ते चाइनीज लहसुन की तस्करी हो रही है । पिछले दिनों में भारत- नेपाल सीमा पर कस्टम विभाग ने चाइनीज लहसुन की एक बड़ी खेप पकड़ी है । जाँच में पता चला कि चीन के लहसुन को भारत में खपाने के लिए लाया जा रहा था । जब्त किए गये लहसुन का लेब टेस्ट कराया गया तो सैंपल फेल हो गये और लहसुन में फंगस पाया गया । विशेषज्ञों का कहना है कि यह लहसुन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इसके सेवन से गंभीर बीमारियां होने का खतरा है । लेकिन जानकारी के अभाव और सस्ता होने की वजह से लोग चाइनीज लहसुन खरीद लेते हैं । गत वर्ष भारत मे लहसुन उत्पादक क्षेत्रों में बारिश और बाढ़ के चलते लहसुन की पैदावार कम हुई । हाल के वर्षों में देश में लहसुन उत्पादन घटा है । इसलिए लहसुन के दाम अधिक हैं । इसका फायदा उठाकर भारत में चाइनीज लहसुन को डंप किया जा रहा है । भारत- नेपाल सीमा पर आवाजाही आसान होने से चाइनीज लहसुन की भारत में तस्करी हो रही है और यह देश की मंडियों में पहुंच रहा है । भारतीय लहसुन का दाम जहां लगभग 300-400 रुपये किलो तक है वहीं, चाइनीज लहसुन 100-150 रुपये किलो बिकता है । कई बार विभाग द्वारा लहसुन पकड़ा गया । जब्त किए गये लहसुन की इतनी बड़ी मात्रा को नष्ट करना भी कस्टम विभाग के लिए चुनौती बन गया है । क्योंकि इससे पूरे क्षेत्र में भयंकर दुर्गंध फैल जाती है । खतरनाक चाइनीज लहसुन हिमाचल प्रदेश के किसानों के लिए भी गले की फांस बन रहा है । मेरी सरकार से मांग है कि चीनी लहसुन पर तुरंत रोक लगाई जाए । मेरे संसदीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के किसानों के हित सुरक्षित किए जायें ।